■ वर्ष-46 ■ अंक-221 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रू. ■ नगर संस्करण भोपाल, शनिवार 8 जुलाई 2023 RNI/39534/81 MP/BHOPAL/4-102/2022-23

दैनिक

निष्पक्ष एवं निर्भीक समाचार

सतपुड़ावाणी

www.stpv.live संस्थापक : स्व. ज्ञान प्रकाश बाली satpuravani@yahoo.co.in

संक्षिप्त खबरे

बालासोर रेल हादसे में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, रेलवे के 3 कर्मचारियों को किया गिरफ्तार

एजेंसी, बालासोर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दो जून को ओडिशा के बालासोर में हुई ट्रेन दुर्घटना के सिलसिले में शुक्रवार को तीन रेलकर्मियों को गिरफ्तार किया। इस मामले में यह पहली गिरफ्तारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (सिग्नल) अरुण कुमार महंत, अनुभाग अभियंता मोहम्मद आमिर खान और तकनीशियन पप्पू कुमार को गिरफ्तार किया है। ये तीनों आरोपी बालासोर जिले में तैनात हैं। अधिकारियों ने कहा कि तीनों को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) और धारा 201 (साक्ष्य नष्ट करना) के तहत गिरफ्तार किया गया है।

भाजपा ने 4 राज्यों के चुनाव प्रभारियों का किया ऐलान : भूपेंद्र यादव को एमपी की जिम्मेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली। भाजपा ने इस वर्ष होने वाले विधान सभा चुनाव के चुनावी राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना के लिए चुनाव प्रभारी एवं सह चुनाव प्रभारियों के नाम का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को राजस्थान, ओम प्रकाश माथुर को छत्तीसगढ़, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को मध्य प्रदेश और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर को तेलंगाना का प्रदेश चुनाव प्रभारी बनाया है। इसके साथ ही भाजपा ने इन चारों राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए सह चुनाव प्रभारियों की भी नियुक्ति कर दी है।

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार

एजेंसी, भोपाल। भारतीय पुलिस सेवा के पांच अधिकारियों को राज्य शासन ने अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। ग्वालियर जोन में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डी श्रीनिवास वर्मा अब पुलिस महानिरीक्षक विसबल रेंज ग्वालियर का प्रभार भी संभालेंगे। ऐसे ही पुलिस महानिरीक्षक देहात जोन भोपाल अभय सिंह को पुलिस महानिरीक्षक विसबल रेंज भोपाल एवं पुलिस महानिरीक्षक दूरसंचार भोपाल का दायित्व भी सौंपा गया है। उप पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज कृष्णावेनी देसावतु को उप पुलिस महानिरीक्षक चंबल रेंज मुरैना बनाया गया है। उप पुलिस महानिरीक्षक छतरपुर रेंज ललित शाक्यवार को उप पुलिस महानिरीक्षक सागर रेंज की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। उप पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट रेंज मुकेश कुमार श्रीवास्तव को उप पुलिस महानिरीक्षक शहडोल रेंज का प्रभार सौंपा गया है। गृह विभाग ने इस संबंध में शुक्रवार को आदेश जारी कर दिए हैं।

सीएम गहलोत को दिल्ली से समन, 7 अगस्त को पेश होने के आदेश

एजेंसी, नई दिल्ली। चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। दिल्ली कोर्ट ने गहलो त के लिए समन भेजा है। उन्हें आदालत में पेश होने के आदेश दिए गए हैं। आपको जानकारी देंदे कि, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मानहानि मामले में राजस्थान सीएम अशोक गहलोत को तलब किया है। कोर्ट ने 7 अगस्त उन्हें अदालत में रहने के आदेश जारी किए हैं। मानहानि का ये मामला केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दायर किया गया था।

पाक के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भूस्खलन में 8 बच्चों की मौत

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भूस्खलन में आठ बच्चों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी।सरकारी बचाव 1122 ने एक बयान में कहा कि कुछ बच्चे शांगला जिले में एक टीले के नीचे स्थित मैदान में गुरुवार को क्रिकेट खेल रहे थे। उसी समय हुए भूस्खलन में नौ बच्चे दब गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार देर रात एक घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद रेस्क्यू 1122, स्थानीय स्वयंसेवकों और पाकिस्तान सेना की बचाव टीमों ने मलबे से आठ शव और एक घायल बच्चे को बरामद किया।

समारोह उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित गीता प्रेस के 100 साल पूरे होने के शताब्दी वर्ष समापन समारोह को संबोधन

गीता प्रेस एक संस्था नहीं बल्कि जीवंत आस्था- पीएम मोदी

गीता का श्लोक ही है वासुदैव सर्वमम् अर्थात सब कुछ कृष्ण है

एजेंसी, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित गीता प्रेस के शताब्दी वर्ष समापन समारोह में हिस्सा लेने शुक्रवार को आये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गीता प्रेस मात्र केवल एक प्रिंटिंग प्रेस नहीं है बल्कि यह एक जीवंत आस्था है। पीएम मोदी ने यहां आयोजित समापन समारोह कार्यक्रम में शिरकत करके इतिहास रच दिया। आजादी के बाद से किसी प्रधानमंत्री का गीता प्रेस में यह पहला आगमन रहा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत श्रीहरि के उद्घोष के साथ की। इसके बाद उन्होंने कहा कि उनका गोरखपुर दौरा विकास भी, विरासत भी की नीति का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत करता है। गीता प्रेस दुनिया की इकलौती ऐसी प्रिंटिंग प्रेस है जो केवल एक संस्था नहीं है बल्कि जीवंत आस्था है। इसका कार्यालय करोड़ों लोगों के लिए किसी मंदिर से कम नहीं है, जिसके नाम भी गीता है और काम में भी गीता है। पीएम मोदी ने कहा गीता प्रेस के नाम और काम दोनों में गीता है और जहां गीता है वहां कृष्ण हैं। जहां कृष्ण हैं वहां करूणा है , वहां कर्म है, वहां ज्ञात का बोध है और विज्ञान का ज्ञान है। गीता का श्लोक ही है वासुदैव सर्वमम् अर्थात सब कुछ कृष्ण है। वर्ष 1923 में गीता प्रेस के रूप में प्रज्जवलित हुई यह ज्योति आज पूरी मानवता का मार्गदर्शन कर रही है। हम सभी का सौभाग्य है कि हम इसके 100 साल पूरे होने के शताब्दी वर्ष का हिस्सा बन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा- इस प्रेस से महात्मा गांधी का भी भावनात्मक जुड़ाव रहा और वह कल्याण पत्रिका के माध्यम से लिखते थे। गांधी जी ने ही सुझाव दिया था कि इसमें विज्ञापन न छापे जाएं और उनके सुझाव का आज तक अनुसरण किया जा रहा है। इस संस्था को हमारी सरकार ने गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया वास्तविकता में यह इस प्रेस के योगदान, 100 वर्षों के विरासत का सम्मान है।

गोरखपुर में वंदे भारत ट्रेन को पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी, बच्चों से की बातचीत

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गोरखपुर रेलवे स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन को लखनऊ के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से बातचीत भी की। रेलवे के अधिकारियों के अनुसार पीएम मोदी ने पहले जोधपुर वंदे भारत ट्रेन को वर्चुअल रवाना किया। इसके बाद उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर जंक्शन के पुनर्विकास का शिलान्यास किया। गोरखपुर जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 मिनट मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने सी-वन कोच के अंदर जाकर बच्चों से वार्ता की। इसके बाद केबिन में जाकर लोको पायलट से वार्ता की। गोरखपुर जंक्शन से मॉडल को देखने के बाद शिलान्यास किया। उन्होंने पहले जोधपुर-अहमदाबाद वंदे भारत को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उसके बाद गोरखपुर-लखनऊ जाने वाली वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। इससे पहले उन्होंने स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की आधारशिला रखी। उन्होंने वंदे भारत ट्रेन में प्रवेश कर इंजन व अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। गोरखपुर में झमाझम बारिश हो रही थी। इसी बीच पीएम को देखने के लिए स्टेशन परिसर के बाहर लोगों की भारी भीड़ जुटी थी। पीएम के काफिले को देख लोगों ने भारत माता और पीएम मोदी के नारे लगाए। गोरखपुर रेलवे बोर्ड के सीईओ अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि हमारे इस मार्ग में जो सबसे तेज ट्रेन है, उसकी तुलना में वंदे भारत लगभग 2 घंटे की बचत करेगी।

एमपी में 3 आईएएस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, आदिवासियों की जमीन को बेचने की दी थी अनुमति

एजेंसी, जबलपुर। आदिवासियों को जमीन बेचने की अनुमति देने के मामले में जबलपुर लोकायुक्त ने ग्वालियर संभायुक्त दीपक सिंह, आबकारी आयुक्त ओपी श्रीवास्तव और अपर सचिव बसंत कुर्रे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन्होंने साल 2007 से 2012 तक जबलपुर में बतौर एडीएम रहने के दौरान कुंडम क्षेत्र में नियम के खिलाफ आदिवासियों को जमीन बेचने की अनुमति प्रदान की थी। लोकायुक्त जबलपुर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, साल 2007 से 2012 के बीच कुंडम तहसील अंतर्गत लगभग दो दर्जन आदिवासियों को नियम विरूध्द तरीके से जमीन बेचने की अनुमति प्रदान की गई थी। यह अनुमति तत्कालीन एडीएम दीपक सिंह, ओपी श्रीवास्तव और बंसत कुर्रे द्वारा प्रदान की गई थी। भू-राजस्व आचार संहिता के तहत आदिवासियों को जमीन बेचने के अनुमति देने के अधिकार जिला कलेक्टर के पास हैं। जिला कलेक्टर ने अपने अधिकार एडीएम को स्थानांतरित कर दिए थे। लोकायुक्त ने शिकायत के संबंध में प्रतिवेदन मांगा था। जांच प्रतिवेदन के आधार पर तत्कालीन तीनों एडीएम के खिलाफ पद के दुरूपयोग का प्रकरण दर्ज किया गया है। अनुमति प्रदान करने में नियमों का पालन नहीं किया गया था। लोकायुक्त ने तीनों अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हुए प्रकरण को विवेचना में ले लिया है।

तत्कालीन कलेक्टर भी आएंगे जांच में दायरे में...

भू-राजस्व आचार संहिता के अंतर्गत आदिवासियों की जमीन बिक्री की अनुमति प्रदान करने का अधिकार जिला कलेक्टर के पास होता है। जिला कलेक्टर ने अपने अधिकार एडीएम को स्थानांतरित किए थे। आदिवासियों को जमीन बेचने की अनुमति देने के संबंध में तत्कालीन कलेक्टर की भूमिका भी जांच में आएगी।

दिल्ली आबकारी नीति मामला -

ईडी ने सिसोदिया, उनकी पत्नी और अन्य की 52 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्क

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी एवं कुछ अन्य आरोपियों की 52 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत (7.29 करोड़ रुपये मूल्य की) अन्य अचल संपत्तियों को कुर्क करने के लिए एक अस्थायी आदेश जारी किया गया है, जिसमें मनीष सिसोदिया और उनकी पत्नी सीमा सिसोदिया की दो संपत्तियां, एक अन्य आरोपी राजेश जोशी (चैरियट प्रोडक्शंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक) की जमीन/फ्लैट और गौतम मल्होत्रा की जमीन/फ्लैट शामिल हैं। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कुर्क की गई संपत्ति में मनीष सिसोदिया की बैंक में जमा 11.49 लाख रुपये की राशि सहित, ब्रिंडको सेल्स प्राइवेट लिमिटेड (16.45 करोड़ रुपये की राशि) और अन्य सहित 44.29 करोड़ रुपये की चल संपत्ति भी शामिल है। ईडी ने कहा कि कुर्क की गई संपत्ति का कुल मूल्य 52.24 करोड़ रुपये है। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री सिसोदिया को इस मामले में ईडी ने मार्च में गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया गया है कि 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में कुछ शराब डीलरों का पक्ष लिया गया, जिन्होंने कथित तौर पर इसके लिए रिश्वत दी थी। दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने इस आरोप का खंडन किया है।

खराब मौसम के चलते अमरनाथ यात्रा रोकी गई, उत्तराखंड में पुल बहा, बद्रीनाथ हाईवे बंद, बिजली गिरने से 13 की मौत

एजेंसी, पहलगाम। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के चलते पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों पर अमरनाथ यात्रा रोक दी गई है। तीर्थ यात्रियों को बालटाल और नुनवांन बेस कैंप पर रोक दिया गया है। अधिकारियों ने बताया है कि मौसम ठीक होते ही फिर से यात्रा शुरू कर दी जाएगी। अब तक 80 हजार से ज्यादा लोग अमरनाथ दर्शन कर चुके हैं। उधर, मौसम विभाग ने बिहार और तेलंगाना को छोड़कर देश के सभी राज्यों में अगले 24 घंटे में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को बिजली गिरने से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में 13 लोगों की जान चली गई। केरल के कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है। कन्नूर और कासरगोड में रेड अलर्ट जारी किया गया है। अलप्पुझा के निचले इलाकों में बाढ़ आ गई है। यहां सड़कों पर नाव चलानी पड़ी। एक हजार से ज्यादा लोगों को रिलीफ कैंपों में शिफ्ट किया गया है। उत्तराखंड के चमोली में पहाड़ों से पत्थर गिरने के चलते पिछले 10 दिनों में बद्रीनाथ हाईवे को चौथी बार बंद करना पड़ा है। पिथौरागढ़ के धारचूला में शुक्रवार को बादल फटने से पुल बह गया। यहां चल गांव में 200 लोग फंस गए हैं। रेस्क्यू करने जा रही एसडीआरएफ की टीम भी फंस गई है। मध्य प्रदेश में दो-तीन दिन तेज बारिश की संभावना है।

पुर्नविचार याचिका गुजरात हाको ने खारिज कर सजा को बरकरार रखा

राहुल गांधी को नहीं मिली राहत, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पुर्नविचार याचिका गुजरात हाईकोर्ट ने खारिज कर दो साल की सजा को बरकरार रखा है। याचिका खारिज होने के विरोध में राजस्थान कांग्रेस के नेता प्रदेश कार्यालय में जुटे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने विरोध जताया। उन्होंने राहुल गांधी को बेगुनाह बताया। साथ ही भाजपा पर राहुरल गांधी को फंसाने का आरोप लगाया।सभी नेता कांग्रेस मुख्यालय पर इकट्ठा हुए और पैदल मार्च भी निकाला। मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि, देश का संविधान हमें हक देता है कि, हम अपनी बात रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि, हम हाईकोर्ट के इस फैसले का विरोध करते हैं। इसके विरोध में हमें जहां भी जाना होगा हम जाएंगे और इस लड़ाई को लड़ेंगे। कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा कि, राहुल गांधी वो नेता हैं जिनके समर्थन में लाखों कार्यकर्ता जेल जाने को तैयार हैं। हम इस फैसले के विरोध में हैं। उन्होंने कहा कि, केंद्र सरकार देश को बेचने का काम कर रही। संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाया जा रहा। संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रहीं हैं।

मानसून सत्र प्रथम अनुपूरक बजट प्रस्तुत करेगी सरकार

प्रारूप पर कैबिनेट में होगा विचार

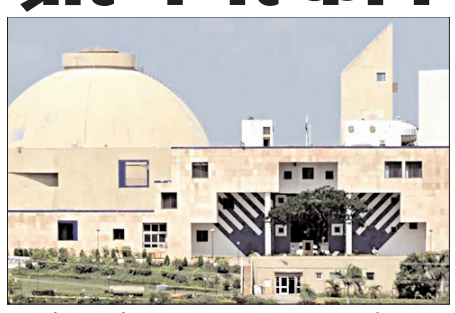

एजेंसी, भोपाल। 11 जुलाई से प्रारंभ होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र में सरकार वित्तीय वर्ष 2023-24 का प्रथम अनुपूरक बजट प्रस्तुत करेगी। इसके लिए शनिवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में वित्त विभाग द्वारा प्रारूप प्रस्तुत किया जाएगा। इसके पहले मुख्यमंत्री सभी मंत्रियों के साथ विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर बैठक करेंगे। रात्रि भोज सभी मंत्री साथ करेंगे और इसके लिए सभी अपने-अपने घर से टिफिन लेकर आएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा चुनाव के कारण वर्तमान विधानसभा का यह अंतिम सत्र होगा। चुनाव के कारण इस बार शीतकालीन सत्र नहीं हो पाएगा, इसलिए प्रथम अनुपूरक बजट बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो सकता है। इसमें सभी विभागों को वर्षभर में जो अतिरिक्त राशि की आवश्यकता है, उसके लिए प्रविधान किए जाएंगे। वहीं, मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक भी प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें कुलपति की नियुक्ति के लिए समिति द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र से तीन व्यक्तियों की तालिका के स्थान पर किसी शासकीय महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में कम से कम दस वर्ष के लिए आचार्य के रूप में काम करने या राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित अनुसंधान या शैक्षणिक प्रशासनिक संगठन के नेतृत्व के साथ 10 वर्ष के विशिष्ट शिक्षाविद होने के अनुभव का प्रविधान प्रस्तावित किया है। इसके साथ ही कुलसचिव पद के लिए चिकित्सा महाविद्यालयों के ऐसे शिक्षकों को प्रतिनियुक्ति पर लिया जा सकेगा, जिन्हें आचार्य पद पर सात के स्थान पर पांच वर्ष के अनुभव हो। उप सचिव या समकक्ष पद पर पांच साल का अनुभव रखने वाले अधिकारियों को भी प्रतिनियुक्ति पर लिया जा सकेगा।

शिवराज के आदिवासी प्रेम के सामने सियासी मौका परस्तों की बोलती बंद

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक छुटभैया नेता की करतूत ने एक प्रकार से सूबे के सियासतदारों को शर्मिंदा करके रख दिया। यह घटना जितनी निंदनीय थी उतनी शर्मनाक भी। क्योंकि नेताओं की सनक और उनके मन मस्तिष्क में विराजित वशिष्ट होने का गुमान उन को अवांछनीय हरकतें करने हेतु प्रेरित करता है। कोई कहे कि ऐसे लोग केवल एक दल विशेष में ही हैं तो यह कहना पूरी तरह से अनुचित ही होगा। समय-समय पर विभिन्न दलों के छोटे-बड़े नेताओं द्वारा इस प्रकार की हरकतें किया जाना सामने आता रहता है। यह बात और है कि इस बार एक ऐसे व्यक्ति द्वारा यह कुकृत्य किया गया, जिसे सत्ता से संबंधित पार्टी से जुड़ा बताया जा रहा है। जाहिर है विपक्ष को तो इस घटना की निंदा करनी ही थी। यह सोच विचार किए बगैर कि विपक्ष जितनी बार भी इस घटना के पीड़ित पक्ष को उच्चारित करता है, वह उतनी बार ही सार्वजनिक रूप से स्वयं को अपमानित महसूस करने को मजबूर होता है। इसके बावजूद लोगों ने नाम ले लेकर पीड़ित पक्ष का जो बखान किया और उनके साथ फोटो खिंचवा कर प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया में सियासी लाभ उठाने का प्रयास किया, उससे पीड़ित पक्ष की परेशानियां कम होने की बजाय बढ़ती चली गई। पहले उसके अपमानित पक्ष को सीमित क्षेत्र के लोग ही जानते थे। लेकिन जब मौकापरस्त सियासतदारों ने अपने फायदे के लिए अपने साथ उसके भावनात्मक चित्रों का प्रसारण किया तो उक्त परिवार का अपमान मानो और अधिक व्यापक तथा विस्तृत हो गया। इस पूरे घटनाक्रम का सर्वाधिक उत्कृष्ट पहलू यह रहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूरे मामले को तत्काल प्रभाव से अपने नियंत्रण में लिया और पीड़ित व्यक्ति समेत उसके समूचे परिवार के हित संरक्षित करने के निर्देश जारी कर दिए। उनके प्रयास यही तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने पीड़ित व्यक्ति को अपने निवास स्थल पर बुलाकर केवल उसका सम्मान ही नहीं किया, बल्कि उसके पैर पखारे और पूजा अर्चना कर यह संदेश दिया कि अनेक विषमताओं के बाद भी आदिवासी समाज का सम्मान अखंड और वंदनीय ही बना रहेगा। उनके इस उद्यम निसंदेह मौका परस्तों के इरादे भोथरे हुए होंगे जो अब तक इस आदिवासी बंधु को व्यंगात्मक नजरों से देख रहे थे और चटखारे ले लेकर उसके साथ हुए अपमानजनक व्यवहार का बखान करते थकते ना थे। मानवता पर कलंक साबित हुए आरोपी के साथ जितना कठोर व्यवहार किया जा सकता था वह करके भी शिवराज सरकार ने यह जता दिया है कि कोई व्यक्ति किसी भी दल अथवा संगठन का हो, उसे जनता जनार्दन के अपमान का हक तो कतई भी हासिल नहीं है। ऐसे तत्वों के साथ बेहद कठोरता के साथ निपटा जाएगा और उन्हें वहां पहुंचाने में कतई देर नहीं लगाई जाएगी, वे जहां के लायक हैं। ऐसा देखने को भी मिला, रात बीतने से पहले आरोपी और उसके सहयोगियों की गिरफ्तारियां हो गई। उन्हें न्यायालय के हवाले कर दिया गया ताकि सामाजिक विघटन के प्रयास करने के उनके नापाक इरादों को दंडित किया जा सके। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रयासों से विपक्ष को बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। उनकी विनम्रता यह साबित करती है कि हम किसी भी दल से संबद्ध हों, सत्ता में हो अथवा विपक्ष में, सब कुछ आक्रामकता के साथ हासिल नहीं किया जा सकता। मान मर्यादा और प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए कई बार विनम्रता और सद्भावना पूर्ण व्यवहार का सकारात्मक सदुपयोग भी करना होता है, जो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा किया गया। उम्मीद की जानी चाहिए कि जो लोग इस घटना से आदिवासी समाज और शेष मानव समाज के बीच विभाजन की घृणित लकीर खींचना चाह रहे थे, उन्हें सबक मिलेगा और वे अपने जहर बुझे बयानों पर अंकुश लगाने के उद्यम में जुट जाएंगे। इसी के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से यह अपेक्षा भी निहित है कि वे उन नेताओं को भी ताकीद करें जो ऐसे तत्वों को आश्रय और संरक्षण देते हैं, जो कई बार सामाजिक एकता के लिए खतरा साबित हो जाते हैं। ऐसे नेता अपने समर्थकों के चयन में सावधानी बरतें और चुनावी लाभ के लिए असामाजिक तत्वों पर आश्रित होना बंद करें। क्योंकि ऐसे समाज विरोधी तत्वों से तात्कालिक तौर पर भले ही राजनीतिक लाभ प्राप्त कर लिया जाए, लेकिन अंततः इनकी करतूतों से समाज और भारतीय लोकतंत्र को नुकसान ही पहुंचता है। सभी राजनीतिक दलों को इस घटना से सीख लेते हुए अपने भीतर विहंगम अवलोकन की आवश्यकता है। साथ में उन प्रयासों की अपेक्षा है जिन के तहत समाज विरोधी तत्वों को निर्णायक तौर पर राजनीति से बाहर उठाकर फेंक देना चाहिए। क्योंकि अपराधी और राजनेताओं का गठजोड़ निश्चित तौर पर सामाजिक सद्भाव के तानों बानो को छिन्न-भिन्न करने में ही अपनी भलाई देखता है। यदि हम चाहते हैं कि प्रदेश में सामाजिक और सांप्रदायिक सद्भाव का स्थायित्व बना रहे तो सभी नेता और राजनीति क दल बीती ताहि बिसार दे, अब आगे की सुध लेय की तर्ज पर प्रदेश के उज्जवल भविष्य को गढ़ने की ओर अपने कदम अग्रेषित करें।

प्रसंगवश
राजकुमार बाली